BTTLA-135

बी.ए. सामान्य (BAG)

सत्रीय कार्य
2023
(जनवरी 2023 और जुलाई 2023 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.टी.टी.एल.ए–135
पाठ्यक्रम शीर्षक : आधुनिक भारतीय भाषा सिंधी

अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

आधुनिक भारतीय भाषा सिंधी (बी.टी.टी.एल.ए–135)

सत्रीय कार्य 2023
(जनवरी 2023 और जुलाई 2023 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.टी.टी.एल.ए.135/बी.ए.जी.

प्रिय विद्यार्थियो,

'आधुनिक भारतीय भाषा सिंधी' से संबंधित इस छह क्रेडिट के पाठ्यक्रम के अंतर्गत आपको एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह सत्रीय कार्य, अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है। अतः इसे ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ करें। इस सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि इस प्रकार हैं :

पाठ्यक्रम कोड एवं शीर्षक	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि*	
	जनवरी 2023 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जुलाई 2023 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
बी.टी.टी.एल.ए.–135 आधुनिक भारतीय भाषा सिंधी	**30.09.2023**	**31.03.2024**

*** सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए आप इग्नू वेबसाइट देखिए। आपको सलाह दी जाती है कि आप सत्रीय कार्य को निर्धारित तिथि के पहले ही भेज दें।**

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में किस प्रकार प्रस्तुत कर सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान जो जानकारी आपको प्राप्त हुई है उसे अपने शब्दों में विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद कार्य में उसे व्यवहार में ला सकें। प्रस्तुत कार्यक्रम के अंतर्गत आपको सिंधी भाषा, विभिन्न विधाओं में रचित सिंधी साहित्य, लोक साहित्य, संस्कृति और अनुवाद का बोध और अभ्यास कराया गया है। इससे आपको सिंधी साहित्य, संस्कृति और अनुवाद संबंधी अपनी क्षमता के विकास में मदद मिलेगी तथा जाँचे हुए सत्रीय कार्य से आप अपनी त्रुटियों एवं कमजोरियों को पहचान सकेंगे और उन्हें दूर करके सत्रांत परीक्षा में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें

1) उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।

2) सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ।

3) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर अपना नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें।

4) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक :	नामांकन संख्या : .....
	नाम : .....
	पता : .....
	.....
पाठ्यक्रम कोड :.....	
पाठ्यक्रम का शीर्षक :	
सत्रीय कार्य कोड :	हस्ताक्षर :.....
अध्ययन केंद्र का नाम/कोड.....	तिथि : .....

5) पाठ्यक्रम के कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

6) अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। बायीं ओर 4 से.मी. का हाशिया छोड़ दें। एक उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें। ऐसा करने से परीक्षक उचित स्थान पर अपनी टिप्पणी दे पाएँगे।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

- सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर लिखिए। व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर समुचित कोश का उपयोग करते हुए प्रसंग और संदर्भानुसार देने हैं।
- सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। सत्रीय कार्य जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें पढ़ लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण बातों को नोट कर लें, फिर उनको व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ।
- जब आपको विश्वास हो जाए कि जो उत्तर आप देने जा रहे हैं संतोषजनक हैं, तब उन्हें साफ–साफ लिखें और जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।
- व्यावहारिक प्रश्नों का उत्तर देते समय भाषा और शैली के प्रति विशेष सावधानी बरतें।
- निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षेप में होनी चाहिए। इसमें यह बताएँ कि प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में आपके उत्तर का सार होना चाहिए। उत्तर सुसंगत और सुसंबद्ध हों। वाक्यों और अनुच्छेदों में परस्पर तालमेल होना चाहिए। उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्न से संबद्ध होना चाहिए। यह देख लें कि आपने प्रश्न में निहित सभी मुख्य बातों के उत्तर शामिल किए हैं।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपके उत्तर तार्किक और सुसंगत हों।

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो।

ग) उत्तर सही ढंग से लिखे गए हों तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति उत्तर के पूर्णतया अनुकूल हो।

घ) प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रश्न–पत्र में दी गई शब्द सीमा का विशेष तौर पर ध्यान रखें।

ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

च) उत्तर अपने हाथ से लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न करें। अपने उत्तर को विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों से नकल न करें। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको कम अंक मिलेंगे।

छ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें, यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

ज) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें।

झ) प्रत्येक उत्तर के साथ उसके प्रश्न की संख्या लिखें।

ञ) सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अध्ययन केंद्र के संयोजक (Coordinator) पास निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अवश्य जमा करा दें। अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य की उत्तर–पुस्तिका को किसी भी स्थिति में **मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।**

ट) अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य को प्रस्तुत करते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से (सत्रीय कार्य प्राप्त किए) प्राप्ति दर्ज करा लें।

शुभकामनाओं के साथ,

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यारलय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आधुनिक भारतीय भाषा सिंधी (बी.टी.टी.एल.ए–135)

सत्रीय कार्य

(जनवरी 2023 और जुलाई 2023 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.टी.टी.एल.ए.–135
सत्रीय कार्य कोड : बी.टी.टी.एल.ए–135/एएसटी/
(टी.एम.ए.)/2023

कुल अंक : 100

नोट : सभई सुवाल करण ज़रुरी आहिनि।

1. हेठियनि मां नसुर/नज़्म जे टुकरनि जा हवाला डींदे माना समुझायो :

(10X4 = 40)

(I). हक़ीक़त में लड़ पलाण खां अगु, असीं हिन मकान में ई रहंदा हुआसीं। असांजी उमिर जो हिकु लंबो अर्सो हिननि दीवारुनि में ई गुज़िरियो आहे। अलाए छो! सालनि खां मूंखे इहा आंधि मांधि सताए रही हुई। त वञी उन अङण जी मिटीअ खे हिकु दफ़ो पंहिंजनि हथनि सां छुहां, जंहिं ते, शाम जो कलाकनि जा कलाक वेही, असीं घर वारा ख़्वाह दोस्त दड़ा रिहाणियूं कंदा हुआसीं।

(II). महात्मा गांधीअ में इहा वड़ी खूबी हुई त जेतिरो संदसि वेझो वञिबो हो, ओतिरो संदसि शखसियत लाइ वधीक श्रध्दा ऐं सिदकु पैदा थींदो हो।

(III). सूंह विञायमि, सूमिरा! मारू मस मञीनि,
डुंगा डाड़े पोटियें, किनि डिना, की डियनि,
जे मां लोह लाहीनि, त कोटनि में कीन हुआं.
वाझाए वतन खे, आऊं जे हिति मुयासि,
गोर मुंहिंजी, सूमिरा! कजि पंवहारनि पासि,
डिजि डाड़ाणे डेह जे, मंझा वलड़ियुनि वासि,
मुयाई जियासि, जे वञे मड़हु मलीर डे.

(IV). माया भुलाए, विधो जीउ भरम में
अण हूंदे दरियाह में, ग़ोता नितु खाए
सामी डिसे कीनकी, मुंह मड़हीअ पाए
सतिगुरु जागाए, त जागी जुड़े पाण सां.
माया भुलाए, विधो जीउ भरम में,
पाणु पंहिंजो पाण में, वेठो विञाए,
सुपने में सामी चए, कोट जनम पाए,
अविद्या पटु लाहे, जागी डिसे कीनकी.

2. हेठियनि मां सुवालनि जो जवाबु थोरे में (250 लफ़्ज़नि में) लिखो : (5X6 = 30)

(i) सिंधी बोलीअ जूं चार ख़ासियतूं लिखो।

(ii) सिफ़त जा कहिड़ा दर्जा आहिनि।

(iii) 'रूप', क्लर्क जो कम करण लाइ आफ़ीस वञण वक्त कींअ थी महसूस करे?

(iv) सिंधीअ लाइ केहिड़ियू लिपियूं इस्तमाल कयूं वञनि थियूं।

(v) थोरे में दोदे चनेसर जो किस्सो बयानु करियो।

(vi) निमु जे वण जी टारीअ जी कहिड़ी अहमियत आहे?

3- हेठियनि मां सुवालनि जा जवाब अटिकल 450 लफ़्ज़नि में लिखो : **(10X3 = 30)**

(i) 'सिंधी बोलीअ जूं उपभाषाऊं', विषय ते नोट लिखो।

(ii) सिंधी कहाणीअ जे विकास ते रोशनी विझो।

(iii) बेवस खे नएं दौर जो बानी शाइर छो चयो वियो आहे? संदसि शइर मां के मिसाल डई समुझायो।

***